Dainik Bhaskar (Indore), 05th July 2025, Page - 06

जोसा काउंसलिंग का तीसरा राउंड • आईआईटी इंदौर की ज्यादातर ब्रांच में कम रैंक वालों को भी मिले अलॉटमेंट

सीएस में इस बार 1628 रैंक वालों को भी मिलेगा मौका

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी, एनआईटी में एडमिशन के लिए जोसा काउंसलिंग के तीसरे राउंड के अलॉटमेंट के बाद शुक्रवार शाम तक रिपोर्टिंग हुई। इसके बाद रिक्त सीटों के लिए अगले राउंड की काउंसलिंग होगी। तीसरे राउंड की क्लोजिंग रैंक देखें तो बीते साल की तुलना में कई ब्रांच में अधिक रैंक वालों को भी मौके मिले। इस राउंड तक कम्प्यूटर साइंस ब्रांच में 2024 में 1354 रैंक तक सीट अलॉट हुई थी तो इस बार 1628 रैंक वालों को भी अलॉटमेंट मिले।

जोसा की काउंसलिंग के जरिये 23 आईआईटी, 32 एनआईटी, 26 ट्रिपल आईटी, 47 जीएफटीआई में एडमिशन दिया जा रहा। काउंसलिंग के कुल 6 राउंड होंगे। आईआईटी, एनआईटी सहित बाकी इंजीनियरिंग कॉलेजों में भी सबसे ज्यादा डिमांड कम्प्यूटर साइंस ब्रांच की है। हालांकि, आईआईटी इंदौर में तीसरे राउंड में इस बार 1628 रैंक वालों तक को मौका मिला है। केमिकल इंजीनियरिंग में 7774, सिविल इंजीनियरिंग में 9991 रैंक तक सीटें अलॉट हुई हैं। 2024 में इस राउंड तक केमिकल में 7519 और सिविल में 9410 रैंक तक ही सीटें अलॉट की थीं।

राउंड-3 : 2024

ब्रांच	ओपनिंग	क्लोजिंग रैंक
केमिकल इंजीनियरिंग	6615	7519
सिविल	7790	9410
कम्प्यूटर साइंस	823	1354
इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	2359	3642
इंजीनियरिंग फिजिक्स	5610	6814
मैथ्स एंड कम्प्यूटिंग	1591	2074
मैकेनिकल	4588	6275
स्पेस साइंस	4319	6362

राउंड-3 : 2025

ब्रांच	ओपनिंग	क्लोजिंग रैंक
केमिकल इंजीनियरिंग	5794	7774
सिविल	8139	9991
कम्प्यूटर साइंस	952	1628
इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	2390	3675
इंजीनियरिंग फिजिक्स	5236	6736
मैथ्स एंड कम्प्यूटिंग	1678	2008
मैकेनिकल	4506	6850
स्पेस साइंस	4860	6548

फिजिक्स, मैथ्स में बढ़ी प्रतिस्पर्धा

हालांकि, कुछ ब्रांच ऐसी भी हैं, जिनकी क्लोजिंग रैंक कम हुई है। इनमें इंजीनियरिंग फिजिक्स, मैथेमेटिक्स एंड कम्प्यूटिंग शामिल हैं। फिजिक्स में पिछले साल 6814 और मैथेमेटिक्स में 2074 रैंक तक अलॉटमेंट मिले थे। इस बार इनकी क्लोजिंग रैंक 6736 और 2008 रही है। करियर काउंसलर डॉ. जयंतीलाल भंडारी बताते हैं, कम्प्यूटर साइंस ब्रांच की डिमांड बढ़ रही है। साथ ही इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, सिविल जैसी कोर ब्रांचेस में भी अच्छे करियर के अवसर बने हैं। तीन चरणों की काउंसलिंग में प्रमुख ब्रांचेस की स्थिति काफी हद तक स्पष्ट हो गई है। अब ओपनिंग-क्लोजिंग रैंक घटने-बढ़ने से कोई खास प्रभाव नहीं होगा।